एच. आर. लीलावति

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (सुगम संगीत)

H. R. LEELAVATHI

Akademi Award: Other Major Traditions of Music (Sugam Sangeet)

कर्नाटक के मैसूर में 8 फरवरी 1935 को जन्मी, श्रीमती एच. आर. लीलावति ने श्री चेन्नाकेशवैय्या और श्री पद्माचरण जैसे गुरुओं से सुगम संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

आप आकाशवाणी की ग्रेडेड कलाकार हैं। आपने देश–विदेश में संगीत पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आप लोक संगीत, वचन, भक्ति गीत, हिन्दी गीत आदि के गायन में समान रूप से कुशल हैं। आप अच्छी लेखिका हैं और आकाशवाणी द्वारा स्वीकृत कवयित्री भी हैं।

श्रीमती लीलावति कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ी रही हैं। आपने बहुत से छात्रों को सुगम संगीत में प्रशिक्षित किया है। आपने कई फिल्मों और डॉक्युमेंट्री में अपनी आवाज दी है। दूरदर्शन और कई अन्य संगठनों द्वारा आपके गायन को रिकॉर्ड किया है। आपके गीतों की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

श्रीमती एच. आर. लीलावति को विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदान किया गया राज्योत्सव पुरस्कार (1992)य कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी द्वारा दिया गया कर्नाटक कला तिलक (1981)य और हंसध्वनि कल्चरल ट्रस्ट, मैसूर द्वारा प्रदान की गई संगीत सरस्वती की उपाधि (2002) प्रमुख हैं।

श्रीमती एच. आर. लीलावति को सुगम संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 8 February 1935 at Mysore in Karnataka, Shrimati H.R. Leelavathi received her training in Sugam Sangeet from Shri Chennakeshavaiah and Shri Padmacharan.

A graded artist of All India Radio, she has conducted many seminars and workshops on music in India and abroad. She is equally proficient in folk music, vachanas, devotional songs, Hindi geet, etc. She is a writer of some calibre and an approved poet for Akashvani.

Shrimathi Leelavathi has been associated with many prestigious cultural institutions. She has trained many students. She has lent her voice to many films and documentaries. Doordarshan and many other organizations have recorded her for their archives. She has many recordings to her credit.

Shrimati H.R. Leelavathi has been honoured with many prestigious titles and awards from various cultural institutions in India. These include the Rajyotsava Award conferred by the Government of Karnataka (1992); the Karnataka Kala Tilaka given by Karnataka Sangeet Nritya Academy (1981); and the Sangeetha Saraswathi bestowed by Hamsadhwani Cultural Trust, Mysore (2002), among others.

Shrimati H.R. Leelavathi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for her contribution to Sugam Sangeet.